2024
(Session : 2022-26)

Time : 3 hours

Full Marks : 75

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें ।

The figures in the margin indicate full marks.
उपांत के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं ।

Answer from both the Groups as directed.
निर्देशानुसार दोनों खण्डों से उत्तर दें ।

Group – A
खण्ड – अ
(Compulsory)
(अनिवार्य)

1. Answer the following questions choosing the correct options : 1×5 = 5

सही विकल्पों का चयन करते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :

(a) Which of the following does not come within the law of Karma ?
निम्नलिखित में से कौन-सा एक कर्म सिद्धान्त के अन्तर्गत नहीं आता है ?

(i) Ṛta ऋत
(ii) Ananya अनन्य
(iii) Adṛṣta अदृष्ट
(iv) Apūrva अपूर्व

(b) Puruṣārtha is :
पुरुषार्थ है :

(i) Property of a man
पुरुष की सम्पत्ति
(ii) That which is desired by man
जो मनुष्य के द्वारा चाहा जाए
(iii) Human end
पुरुष/मानव का लक्ष्य
(iv) That the man has
जो मनुष्य के पास है

(c) A sthitaprajña person is compared to :
स्थितप्रज्ञ व्यक्ति की तुलना की गई है :

(i) Tortoise कच्छप से
(ii) Rope रज्जु से
(iii) Clamshell सीपी से
(iv) Cat बिल्ली से

(d) Jain ethics advises family persons to follow the Panchamahāvrata which is called :
जैन नीतिशास्त्र गृहस्थों को पंचमहाव्रत के पालन की सलाह देता है जिसे कहते हैं :

(i) Devavrata देवव्रत
(ii) Skandha Vrata स्कन्ध व्रत
(iii) Jivavrata जीवव्रत
(iv) Aṇuvrata अणुव्रत

(e) in Buddhist ethics a liberated person is called :
बौद्ध नीतिशास्त्र में मुक्त व्यक्ति को कहते हैं :

(i) Tathāgata तथागत
(ii) Arhata अर्हत
(iii) Mumukṣu मुमुक्षु
(iv) Jina जिन

2. Explain the concept of Svadharma in brief. 5
स्वधर्म के अवधारणा की व्याख्या संक्षेप में करें ।

3. Describe, in brief, the concept of Triratna of Jain Ethics. 5
जैन नीतिशास्त्र के त्रिरत्न की अवधारणा का संक्षेप में वर्णन करें।

Group – B
खण्ड – ब

Answer any **four** questions of the following : 15×4 = 60

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दें :

4. Explain Law of Karma according to Indian Ethics.
भारतीय नीतिशास्त्र के अनुसार कर्म सिद्धान्त की व्याख्या करें ।

5. What is the concept of Puruṣārtha of Indian Ethics ? Describe.
भारतीय नीतिशास्त्र के पुरुषार्थ की अवधारणा क्या है ? वर्णन करें ।

6. Explain Niṣkāma Karma according to Bhagavad Gītā.
भगवद् गीता के अनुसार निष्काम कर्म की व्याख्या करें ।

7. What is Aṇuvrata according to Jain Ethics ? Explain.
जैन नीतिशास्त्र के अनुसार अणुव्रत क्या है ? व्याख्या करें ।

8. Discuss Eightfold Path of Buddha Ethics.
बौद्ध नीतिशास्त्र के अष्टांगिक मार्ग की विवेचना करें ।

9. Explain Varṇāśrama Dharma.
वर्णाश्रम धर्म की व्याख्या करें ।